RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
मई
15
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

कोस्मोस 482 / cosmos 482

संदर्भ:

सोवियत संघ द्वारा 1972 में लॉन्च किया गया अंतरिक्ष यान **कोस्मोस 482**—जो मूल रूप से शुक्र ग्रह पर उतरने के लिए भेजा गया था, अंतत: **53 वर्षों के बाद** को पृथ्वी के वायुमंडल में पुन: प्रवेश कर गया। यह अंतरिक्ष यान **इंडोनेशिया के जकार्ता के पश्चिमी तट के पास हिंद महासागर** में गिरा।

कोस्मोस 482 मिशन: सोवियत अंतरिक्ष अन्वेषण-

- **लॉन्च तिथि:** 31 मार्च, 1972
- **उद्देश्य:** शुक्र ग्रह का अन्वेषण
- **कार्यक्रम:** वीनस मिशन का हिस्सा (वेनरा कार्यक्रम)
- **प्रसंग:** शीत युद्ध के दौरान तकनीकी और वैज्ञानिक श्रेष्ठता का प्रदर्शन

प्रमुख तथ्य:

- कोस्मोस 482 को वीनस मिशन के तहत लॉन्च किया गया था।
- यह मिशन वीनस 8 के चार दिन बाद लॉन्च हुआ था, जो सफलतापूर्वक शुक्र पर 117 दिनों में उतरा।
- **मिशन के मुख्य लक्ष्य:**
    - शुक्र के वायुमंडल और सतह का अध्ययन
    - वैज्ञानिक और तकनीकी उपलब्धियों का प्रदर्शन

उपकरण और अनुसंधान:

- **यंत्र:**
    - तापमान, दबाव और हवा की गति मापने के उपकरण
    - वायुमंडलीय गैसों और चट्टानों की संरचना का अध्ययन
- **डेटा ट्रांसमिशन:** पृथ्वी पर आंकड़ों का प्रसारण करने की क्षमता

शुक्र ग्रह को लक्ष्य बनाने के कारण:

- घने बादलों के नीचे जीवन की संभावना
- अंतरिक्ष अन्वेषण में रणनीतिक महत्व

वेनरा कार्यक्रम (1961-1984):

- कुल 28 मिशन शुक्र की ओर प्रक्षेपित
- 13 प्रोब शुक्र के वायुमंडल में प्रवेश
- 10 प्रोब ने सफल लैंडिंग की, लेकिन केवल 23 मिनट से 2 घंटे तक ही कार्य कर सके (कठोर सतही परिस्थितियों के कारण)

मिशन विफलता:

- प्रक्षेपण के तुरंत बाद रॉकेट में खराबी
- ऊपरी रॉकेट चरण/इंजन समयरूपी खराबी के कारण जल्दी बंद हो गया
- **परिणाम:**
    - अंतरिक्ष यान पृथ्वी की कक्षा में ही फंस गया
    - लैंडर मॉड्यूल मुख्य अंतरिक्ष यान से अलग हो गया
    - मुख्य अंतरिक्ष यान वातावरण में प्रवेश के दौरान जलकर नष्ट
    - लैंडर मॉड्यूल ने 50 से अधिक वर्षों तक पृथ्वी की कक्षा में परिक्रमा की
    - धीरे-धीरे कक्षा क्षीण होती गई, जिससे पुन: प्रवेश हुआ

चिंताएं:

- **अंतरिक्ष कचरा:**
    - कोस्मोस 482 की पुन: प्रविष्टि ने अंतरिक्ष कचरे की बढ़ती समस्या की ओर ध्यान आकर्षित किया।
    - भारी और सघन वस्तुएं पृथ्वी के वायुमंडल में जलकर नष्ट नहीं होतीं, जिससे खतरा बना रहता है।
- **पर्यावरणीय क्षति:**
    - पुन: प्रवेश के दौरान उपग्रहों से निकलने वाले प्रदूषक तत्व पृथ्वी के वायुमंडल और ओजोन परत को नुकसान पहुंचा सकते हैं।
    - जलवायु परिवर्तन में योगदान का भी खतरा।

निष्कर्ष:

कोस्मोस 482 मिशन न केवल अंतरिक्ष अन्वेषण की विफलता का प्रतीक है, बल्कि अंतरिक्ष कचरे और पर्यावरणीय चुनौतियों के प्रति जागरूकता का भी एक महत्वपूर्ण उदाहरण है।

क्षुद्रग्रह 2024 YR4 / Asteroid 2024 YR4

संदर्भ:

नासा ने हाल ही में **क्षुद्रग्रह 2024 YR4** के आकलन को अद्यतन किया है, जो पहले पृथ्वी के लिए संभावित खतरा माना गया था। अब, नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, इस क्षुद्रग्रह के **22 दिसंबर 2032 को चंद्रमा से टकराने की संभावना 3.8%** है। यह संभावना **पहले के 1.7%** के अनुमान से दोगुनी से अधिक हो गई है।

- यह क्षुद्रग्रह दिसंबर 2024 में **चिली** के **एटलस टेलीस्कोप** द्वारा खोजा गया था और इसका आकार लगभग 60 मीटर है। हालांकि पृथ्वी पर इसके टकराने की संभावना लगभग शून्य है, लेकिन चंद्रमा से टकराने की स्थिति में यह एक बड़ा गड्ढा बना सकता है और वैज्ञानिकों को चंद्रमा की सतह पर वास्तविक समय में प्रभाव का अध्ययन करने का एक दुर्लभ अवसर प्रदान कर सकता है।

क्षुद्रग्रह 2024 YR4: निकट-पृथ्वी क्षुद्रग्रह-

- **खोज:** दिसंबर 2024
- **खोजकर्ता:** ATLAS टेलीस्कोप (चिली)
- **प्रकार:** निकट-पृथ्वी क्षुद्रग्रह (NEA)
- **पृथ्वी से दूरी:** कक्षा पृथ्वी के 1.3 AU (खगोलीय इकाई) के भीतर पहुंचती है

आकार और विशेषताएं:

- **आकार:** लगभग 65 मीटर चौड़ा (10-मंजिला इमारत जितना)
- **अद्वितीय कक्षा:** असामान्य पथ के कारण वैज्ञानिक रुचि का केंद्र

संभावित प्रभाव और जोखिम:

- **प्रारंभिक संभावना:**
  - 2032 में पृथ्वी से टकराने की संभावना 3.1%
  - नासा द्वारा उच्चतम स्तर की चेतावनी जारी
- **पुन: आकलन:**
  - पृथ्वी पर प्रभाव की संभावना से इनकार
  - चंद्रमा से टकराने की संभावना 3.8% (22 दिसंबर, 2032)

संभावित प्रभाव के परिणाम:

- **चंद्रमा पर प्रभाव:**
  - क्रेटर का आकार: 500 से 2,000 मीटर चौड़ा
  - ऊर्जा: हिरोशिमा बम से 340 गुना अधिक
- **वैज्ञानिक महत्व:**
  - 140 मीटर से छोटा होने के बावजूद असामान्य कक्षा के कारण वैश्विक ध्यान केंद्रित

अवलोकन और भविष्यवाणियां:

निकट भविष्य:

- 2028 में निकट-पृथ्वी के पास से गुजरने के दौरान अवलोकन जारी
- कक्षा की सटीक भविष्यवाणी के लिए निरंतर अध्ययन

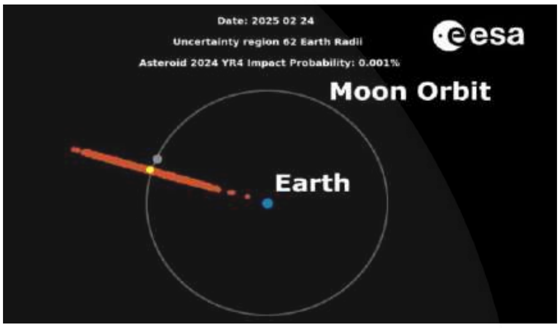

क्षुद्रग्रह: प्रारंभिक सौर मंडल के अवशेष-

परिचय:

- क्षुद्रग्रह चट्टानी और बिना वायुमंडल वाले अवशेष हैं।
- ये लगभग 4.6 अरब वर्ष पहले सौर मंडल के प्रारंभिक निर्माण से बने हैं।

स्थिति और आकार:

- **मुख्य स्थान:**
  - अधिकतर मंगल और बृहस्पति के बीच स्थित क्षुद्रग्रह पट्टी में पाए जाते हैं।
  - कुछ क्षुद्रग्रह पृथ्वी की कक्षा को पार करते हुए भी देखे जाते हैं।
- **आकार:** कुछ मीटर से लेकर सैकड़ों किलोमीटर तक के आकार में उपलब्ध।

वर्गीकरण:

1. **मुख्य पट्टी क्षुद्रग्रह :** मंगल और बृहस्पति के बीच स्थित।
2. **ट्रोजन क्षुद्रग्रह:** किसी ग्रह की कक्षा को साझा करते हुए लग्रांज बिंदुओं पर स्थित।
3. **निकट-पृथ्वी क्षुद्रग्रह:** कक्षाएँ पृथ्वी के पथ के करीब या इसे पार करती हैं।

डेटा एक्सक्लूसिविटी / Data Exclusivity

संदर्भ:

भारत ने यूनाइटेड किंगडम (UK) के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) में डेटा एक्सक्लूसिविटी को शामिल न करके अपने **$25 बिलियन के जेनेरिक दवा उद्योग** को सुरक्षित किया है। यह निर्णय न केवल आम जनता के लिए सस्ती दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करता है, बल्कि जेनेरिक दवाओं के तेज़ लॉन्च को भी बढ़ावा देता है।

यह कदम **यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (EFTA)** समझौते में भारत की पहले से अपनाई गई नीति को दोहराता है।

भारत ने **TRIPS (Trade-Related Aspects of Intellectual Property Rights)** मानकों के भीतर रहते हुए यह नीति बनाई है, जिससे उसके **फार्मा निर्यात** और **स्थानीय निर्माताओं के हित** सुरक्षित रहते हैं।

डेटा एक्सक्लूसिविटी की अनुमति देने से बड़ी दवा कंपनियों को नए जेनेरिक विकल्पों में देरी करने का अवसर मिलता, जिससे दवाओं की कीमतें अधिक होतीं।

यूके एफटीए से डेटा एक्सक्लूसिविटी बाहर

- **हालिया घोषणा:**
    - भारत और यूके ने मुक्त व्यापार समझौते (FTA) को अंतिम रूप दिया है।
    - यह समझौता दोनों देशों के बीच व्यापार को व्यापक रूप से उदार बनाएगा।

डेटा एक्सक्लूसिविटी पर विवाद:

- **यूके की मांग:**
    - यूके एफटीए में डेटा एक्सक्लूसिविटी प्रावधान शामिल करना चाहता था।
    - इसका उद्देश्य: भारतीय जेनेरिक दवा निर्माताओं को दवा पेटेंट धारकों द्वारा उत्पन्न नैदानिक परीक्षण डेटा का उपयोग करने से रोकना।
- **भारत का रुख:**
    - भारत ने एफटीए से डेटा एक्सक्लूसिविटी प्रावधानों को बाहर रखकर अपनी जेनेरिक दवा उद्योग की रक्षा की।
    - इससे पहले, भारत ने 2024 में चार-राष्ट्रीय यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (EFTA) के एफटीए में भी इसी तरह की मांग को अस्वीकार कर दिया था।

डेटा एक्सक्लूसिविटी क्या है?

- **परिभाषा:** यह एक निश्चित अवधि है जिसके दौरान दवा नवाचारकर्ता द्वारा नियामक निकाय को प्रस्तुत नैदानिक और गैर-नैदानिक परीक्षण डेटा का उपयोग जेनेरिक निर्माताओं द्वारा नहीं किया जा सकता।

उद्देश्य:

- नैदानिक परीक्षणों के दौरान उत्पन्न डेटा की सुरक्षा करना।
- डेटा पर अनन्य अधिकार प्राप्त करके, नवाचारकर्ता कंपनियाँ प्रतिस्पर्धियों को सस्ती जेनेरिक दवाओं का विपणन लाइसेंस प्राप्त करने से रोक सकती हैं।

भारत में डेटा एक्सक्लूसिविटी कानून का अभाव:

- **कानूनी ढांचा:** भारतीय औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 और नियम, 1945 में डेटा एक्सक्लूसिविटी का प्रावधान नहीं है।

जोखिम:

- डेटा एक्सक्लूसिविटी कानून की अनुपस्थिति से परीक्षण डेटा का अनुचित व्यावसायिक उपयोग हो सकता है।
- भारतीय कानून उन कंपनियों को इस डेटा का उपयोग करने की अनुमति देते हैं जो पेटेंट समाप्त होने के बाद दवाओं की नकल बनाती हैं।
- यदि जेनेरिक कंपनियों को स्वतंत्र रूप से वही डेटा उत्पन्न करना पड़े, तो उनकी लॉन्च प्रक्रिया में देरी होगी।

भारतीय जेनेरिक दवा उद्योग:

- **महत्त्व:**
    - अनुमानित मूल्य: लगभग 25 बिलियन डॉलर
    - उत्पादन का लगभग आधा हिस्सा निर्यात किया जाता है।
- **वैश्विक संदर्भ:** डेटा एक्सक्लूसिविटी, विश्व व्यापार संगठन (WTO) के तहत व्यापार संबंधित बौद्धिक संपदा अधिकार (TRIPS) समझौते से परे है।

निष्कर्ष: यूके एफटीए में डेटा एक्सक्लूसिविटी को शामिल न करने का निर्णय भारत के जेनेरिक दवा उद्योग के लिए एक बड़ी राहत है। इससे सस्ती दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित होगी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धात्मकता बनी रहेगी।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक / consumer price Index

संदर्भ:

अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) के आधार पर अप्रैल 2025 में साल-दर-साल महंगाई दर **3.16% (अनंतिम)** दर्ज की गई है। यह अप्रैल 2024 की तुलना में महंगाई में मामूली वृद्धि को दर्शाता है, लेकिन मार्च 2025 के मुकाबले इसमें **18 बेसिस पॉइंट की गिरावट** दर्ज की गई है।

खुदरा महंगाई और खाद्य महंगाई से जुड़ी मुख्य बिंदु:

- CPI आधारित खुदरा महंगाई दर अप्रैल 2025 में गिरकर **3.16%** रही, जो **जुलाई 2019 के बाद सबसे कम** है।
- मार्च 2025 में यह दर **3.34%** थी – यानी **18 बेसिस पॉइंट** की गिरावट दर्ज की गई।
- **खाद्य उत्पादों की कीमतों में कमी** इस गिरावट का प्रमुख कारण रही।
- CFPI (Consumer Food Price Index) के अनुसार अप्रैल 2025 की साल-दर-साल **खाद्य महंगाई दर 1.78%** रही।
- **ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य महंगाई** 1.85% और **शहरी क्षेत्रों में** 1.64% दर्ज की गई।
- मार्च 2025 की तुलना में अप्रैल 2025 में खाद्य महंगाई में **91 बेसिस पॉइंट** की तेज गिरावट हुई।
- अप्रैल 2025 की **खाद्य महंगाई दर अक्टूबर 2021 के बाद सबसे कम स्तर** पर है।

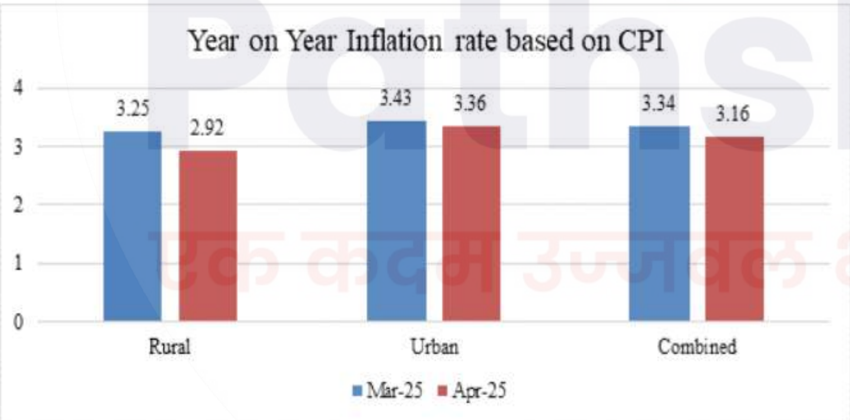

अन्य उप-श्रेणियों में महंगाई दर (Year-on-Year - अप्रैल 2025)

वर्ग	अप्रैल 2025	मार्च 2025	टिप्पणी
आवास (Housing)	3.00%	3.03%	केवल शहरी क्षेत्र के लिए
शिक्षा (Education)	4.13%	3.98%	ग्रामीण + शहरी संयुक्त
स्वास्थ्य (Health)	4.25%	4.26%	ग्रामीण + शहरी संयुक्त
परिवहन व संचार (T&C)	3.73%	3.36%	ग्रामीण + शहरी संयुक्त
ईंधन व बिजली (Fuel & Light)	2.92%	1.42%	ग्रामीण + शहरी संयुक्त — **तेज़ बढ़ोतरी**

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI): खुदरा मूल्य में बदलाव का मापक:

परिभाषा:

- यह खुदरा खरीदार के दृष्टिकोण से मूल्य परिवर्तनों को मापता है।
- **प्रकाशन:** राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) द्वारा जारी किया जाता है।

उद्देश्य:

- विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं (जैसे खाद्य पदार्थ, चिकित्सा देखभाल, शिक्षा, इलेक्ट्रॉनिक्स आदि) की कीमतों में बदलाव की गणना।
- भारतीय उपभोक्ताओं द्वारा उपयोग के लिए खरीदी गई वस्तुओं की कीमतों में अंतर दिखाता है।

प्रमुख उप-समूह:

- **खाद्य और पेय पदार्थ**
- **ईंधन और प्रकाश**
- **आवास**
- **कपड़े, बिस्तर और जूते**

सीपीआई के प्रकार:

1. औद्योगिक श्रमिकों के लिए सीपीआई (CPI-IW)
2. कृषि श्रमिकों के लिए सीपीआई (CPI-AL)
3. ग्रामीण श्रमिकों के लिए सीपीआई (CPI-RL)
4. सीपीआई (ग्रामीण/शहरी/संयुक्त)

डेटा संकलन:

- **पहले तीन सीपीआई (IW, AL, RL):** श्रम और रोजगार मंत्रालय के तहत श्रम ब्यूरो द्वारा संकलित।
- **चौथा सीपीआई (ग्रामीण/शहरी/संयुक्त):** सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के तहत NSO द्वारा संकलित।

पारिस्थितिकी ही स्थायी अर्थव्यवस्था / Ecology is a permanent economy

संदर्भ:

आज के समय में यह विचार कि **"पारिस्थितिकी (Ecology) ही स्थायी अर्थव्यवस्था (Permanent Economy) है,"** फिर से वैश्विक नीति और जनचर्चा के केंद्र में आ रहा है। यह कथन प्रसिद्ध पर्यावरणविद् **सुंदरलाल बहुगुणा** द्वारा दिया गया था, जो आज के बदलते जलवायु परिदृश्य में और भी अधिक प्रासंगिक हो गया है।

"पारिस्थितिकी ही स्थायी अर्थव्यवस्था है" का महत्व:

यह कथन मानव समृद्धि और पारिस्थितिकीय स्वास्थ्य के बीच गहरे संबंध को दर्शाता है।

1. मानव जीवन और अर्थव्यवस्था की नींव:

- **प्राकृतिक संसाधन:**
  - पारिस्थितिकी हमारे अस्तित्व के लिए आवश्यक संसाधन प्रदान करती है, जैसे वायु, जल, खाद्य और उपजाऊ मिट्टी।
- **कृषि पर निर्भरता:**
  - कृषि स्वस्थ मिट्टी, परागणकर्ताओं और जल चक्रों पर निर्भर करती है।
    - मिट्टी का क्षरण, परागणकर्ताओं की कमी और जल संकट के कारण फसल विफलता और खाद्य असुरक्षा उत्पन्न होती है।

2. दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता और पारिस्थितिक संतुलन:

- **संसाधनों का सतत उपयोग:** प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग आर्थिक लाभ को लंबे समय तक सुनिश्चित करता है।
- **अत्यधिक दोहन का नुकसान:** संसाधनों का अति-उपयोग पर्यावरण को समाप्त कर देता है, जिससे दीर्घकालिक आर्थिक हानि होती है।
  - अत्यधिक मछली पकड़ने से मछली भंडार समाप्त हो जाते हैं, जिससे समुद्री जैव विविधता और मत्स्य उद्योग दोनों को नुकसान होता है।
  - संरक्षण प्रयास, जैसे मछली पकड़ने की सीमाएं (कोटा), संतुलन बनाए रखने और आजीविका को सुरक्षित रखने में सहायक होते हैं।

3. पारिस्थितिकीय स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन:

- **प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा:** पारिस्थितिकी तंत्र जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं के खिलाफ ढाल का कार्य करते हैं।

मानव विकास और प्रकृति से अलगाव:

मानव विकास के दौरान प्रकृति से अलगाव एक महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक बदलाव का परिणाम है।

1. घुमंतू जीवन से स्थायी जीवन की ओर बदलाव:

- **प्रारंभिक संपर्क:** प्रारंभिक मानव प्राकृतिक परिवेश के साथ घनिष्ठ संपर्क में रहते थे, दैनिक अस्तित्व के लिए उस पर निर्भर थे।
- **कृषि और स्थायी बस्तियाँ:** कृषि और बस्तियों के उदय के साथ, प्रकृति पर निर्भरता अप्रत्यक्ष हो गई।

2. शहरीकरण और बुनियादी ढाँचे का विकास:

- **प्राकृतिक परिदृश्य का नाश:** तेजी से शहरी विकास ने प्राकृतिक परिदृश्यों को कंक्रीट से ढक दिया, जिससे लोग प्राकृतिक परिवेश से दूर हो गए।
- **पर्यावरणीय संपर्क में कमी:** शहरों में पले-बढ़े बच्चे अक्सर जंगल, नदियाँ या वन्यजीवन से बहुत कम संपर्क में रहते हैं।

3. तकनीकी प्रगति: आधुनिक उपकरण और आभासी परिवेश: मशीनें, इंटरनेट और कृत्रिम परिवेश ने दैनिक जीवन में प्राकृतिक संपर्क को कम कर दिया है।

4. उपभोक्तावाद और संसाधनों का अति-उपयोग:

- **भौतिक सुख की खोज:** भौतिक आराम की चाहत में प्रकृति का अति-शोषण होता है।
- **पर्यावरणीय असंतुलन:** अति खनन और वनों की कटाई से पारिस्थितिकी तंत्र को गंभीर क्षति पहुँचती है।

5. पारंपरिक ज्ञान और प्रथाओं का लोप:

- **आधुनिक जीवनशैली का प्रभाव:** पारंपरिक पारिस्थितिक ज्ञान और प्रथाएँ धीरे-धीरे विलुप्त हो रही हैं।
- **सांस्कृतिक संपर्क में कमी:** वर्षा जल संचयन या पवित्र उपवन जैसी प्रथाएँ कई क्षेत्रों में भुला दी गई हैं।

आगे का मार्ग:

1. आर्थिक योजना में पारिस्थितिकी का एकीकरण:

- **पर्यावरणीय स्थिरता:** सभी विकास नीतियों में पर्यावरणीय स्थिरता को एक प्रमुख तत्व बनाया जाए।
- **लाभ:** दीर्घकालिक संसाधन सुरक्षा और पारिस्थितिकीय संतुलन सुनिश्चित होगा।

2. समुदाय-आधारित संरक्षण को बढ़ावा:

- **स्थानीय भागीदारी:** स्थानीय समुदायों को प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन के अधिकार और प्रोत्साहन दिए जाएँ।
- **परिणाम:** समावेशी और प्रभावी पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

समृद्ध योजना / SAMRIDH Scheme

संदर्भ:

स्टार्टअप्स के लिए चलाई जा रही **सरकारी SAMRIDH योजना** (Startup Accelerators of MeitY for Product Innovation, Development and Growth) के नाम पर **इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY)** को ₹3 करोड़ से अधिक की धोखाधड़ी करने के आरोप में **दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है**, जिनमें एक **चार्टर्ड अकाउंटेंट** भी शामिल है।

समृद्ध योजना (SAMRIDH Scheme):

पूर्ण रूप: स्टार्टअप एक्सलेरेटर ऑफ MeitY फॉर प्रोडक्ट इनोवेशन, डेवलपमेंट, एंड ग्रोथ

कार्यक्रम: इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय (MeitY) का प्रमुख कार्यक्रम

नीति: राष्ट्रीय सॉफ्टवेयर उत्पाद नीति-2019 के तहत स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए

उद्देश्य:

- मौजूदा और नए एक्सलेरेटर का समर्थन करना
- आईटी आधारित स्टार्टअप का चयन और तीव्र विकास
- स्टार्टअप्स को निम्नलिखित से जोड़ना:
    - **ग्राहक कनेक्ट**
    - **निवेशक कनेक्ट**
    - **अंतरराष्ट्रीय बाजार कनेक्ट**

वित्तीय सहायता:

- स्टार्टअप को उनकी वर्तमान मूल्यांकन और विकास चरण के आधार पर **40 लाख रुपये तक का निवेश**।
- चयनित एक्सलेरेटर के माध्यम से निवेश प्रदान किया जाएगा।
- एक्सलेरेटर द्वारा **बराबर की निवेश भागीदारी** को भी सुविधाजनक बनाना।

कार्यान्वयन निकाय:

- **MeitY स्टार्टअप हब (MSH)**
- **डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन (DIC)**

पहला चरण (कोहोर्ट):

- **22 एक्सलेरेटर:**
    - 12 राज्यों में फैले हुए
    - 175 स्टार्टअप्स का समर्थन
    - बहु-स्तरीय स्क्रीनिंग प्रक्रिया के माध्यम से चयन

एक्सलेरेटर की सूची: सरकारी समर्थित संगठन, शैक्षणिक संस्थान, निजी क्षेत्र, प्रारंभिक चरण स्टार्टअप फंडिंग प्लेटफॉर्म

मेरिम नदी / Meryem River

संदर्भ:

हाल ही में एक **ब्राज़ीलियाई सर्फर**, जो दुनिया की सबसे लंबी ज्वारीय लहरों (tidal waves) पर सर्फिंग के लिए जाने जाते हैं, ने **मिअरिम नदी की 'पोरोरोका' लहरों** पर सर्फिंग कर लोगों का ध्यान **जलवायु परिवर्तन** और **पारिस्थितिकी क्षरण** की ओर खींचा।

मेरिम नदी:

स्थान: Maranhão राज्य, उत्तरी ब्राज़ील

उद्गम: दक्षिणी Maranhão

मुहाना: Baía de São Marcos (साओ मार्कोस खाड़ी)

लंबाई: लगभग 800 किमी

प्रमुख विशेषताएँ:

प्रवाह:

- दक्षिण से उत्तर की ओर प्रवाहित होती है।
- अटलांटिक तटीय समतल दलदलों से होकर गुजरती है।

पारिस्थितिकी: सघन उष्णकटिबंधीय वर्षावनों और मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र से होकर बहती है।

संवहन क्षमता:

- ऊपरी और मध्य भाग में जलप्रपात (रैपिड्स) के कारण नौगम्य नहीं।
- निचला भाग नौवहन के लिए उपयुक्त।

जैव विविधता:

- Tocantins-Araguaia-Maranhão नम वन पारिस्थितिकी क्षेत्र की दक्षिणी सीमा बनाती है।
- यह क्षेत्र एक महत्वपूर्ण जैव विविधता केंद्र है।

पोरोरोका (ज्वारीय लहर) घटना:

परिचय: मेरिम नदी अपनी पोरोरोका घटना के लिए प्रसिद्ध है।

अर्थ: "पोरोरोका" शब्द टुपी आदिवासी भाषा से लिया गया है, जिसका अर्थ है "महान गर्जना"।

कारण:

- जब समुद्र की उच्च ज्वार नदी की धारा के विपरीत दिशा में आगे बढ़ती है।
- आमतौर पर वसंत ज्वार और सुपरमून के दौरान होता है।

विशेषताएँ:

- ज्वारीय लहर की ऊँचाई किनारों के पास अधिक होती है।
- उच्च ज्वार के चरम के बाद लगभग 30 मिनट तक ऊपर की ओर यात्रा करती है।

महत्व: ब्राज़ील में कुछ शेष मजबूत ज्वारीय लहरों में से एक।

- सर्फर्स और शोधकर्ताओं को आकर्षित करती है।

ट्रेजरी बिल / T-Bills

संदर्भ:
हाल ही में भारत ने **मालदीव को वित्तीय सहायता** देते हुए **50 मिलियन अमेरिकी डॉलर के ट्रेज़री बिल (Treasury Bill)** को एक और वर्ष के लिए **नवीनीकृत (renew)** किया है। यह सहायता **भारतीय स्टेट बैंक (SBI)** के माध्यम से प्रदान की गई है।

ट्रेजरी बिल (T-Bills):

परिभाषा: ट्रेजरी बिल एक अल्पकालिक ऋण उपकरण है जिसे भारतीय सरकार द्वारा **भारतीय रिजर्व बैंक (RBI)** के माध्यम से जारी किया जाता है।

उद्देश्य:
- **केन्द्रीय सरकार की अल्पकालिक वित्तीय आवश्यकताओं** को पूरा करना।
- **खुला बाजार संचालन (OMO)** रणनीति के तहत RBI द्वारा जारी किया जाता है:
    - **मुद्रास्फीति नियंत्रण**
    - **व्यय/उधारी पर नियंत्रण**

निवेशकों के लिए लाभ:
- **सुरक्षित निवेश:** सरकारी प्रतिभूतियों में सर्वाधिक सुरक्षित।
- **उच्च तरलता:** किसी भी समय नकद में परिवर्तनीय।

विशेषताएँ:
- **शून्य कूपन प्रतिभूतियाँ:**
    - ब्याज का भुगतान नहीं होता।
    - **छूट पर जारी** और **परिपक्वता पर अंकित मूल्य पर पुनर्भुगतान**।
- **उदाहरण:**
    - 91-दिवसीय ट्रेजरी बिल का अंकित मूल्य ₹100/- हो सकता है, लेकिन इसे ₹98/- पर जारी किया जाएगा।
    - **वापसी:** ₹100 - ₹98 = ₹2 (निवेशक का लाभ)।

अवधि: 91 दिन, 182 दिन, 364 दिन।

न्यूनतम निवेश: ₹25,000 या इसके गुणज।

निष्कर्ष: ट्रेजरी बिल सरकारी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने का एक महत्वपूर्ण उपकरण है और निवेशकों के लिए सुरक्षित और तरल निवेश का विकल्प प्रदान करता है।

युवा भारत / Yuva Bharat

संदर्भ:
आपदा प्रबंधन में **युवाओं की भागीदारी को सशक्त बनाने** की दिशा में, **'मेरा युवा भारत (MY Bharat)'** पहल के तहत **युवा पुरुषों और महिलाओं का चयन सिविल डिफेंस वालंटियर्स** के रूप में किया जा रहा है।

युवा भारत (Yuva Bharat)-

संस्था:
- **स्वायत्त निकाय:** युवा मामलों के विभाग, युवा मामले और खेल मंत्रालय के अंतर्गत
- **उद्देश्य:**
    - युवा विकास और युवा-नेतृत्व विकास को सशक्त बनाने के लिए प्रौद्योगिकी-सक्षम तंत्र के रूप में कार्य करना।
    - युवाओं की आकांक्षाओं को साकार करने में सहायता प्रदान करना।
    - पूरे सरकारी परिदृश्य में "विकसित भारत" के निर्माण में योगदान।

विशेषताएँ:

लक्षित आयु समूह:
- **15-29 वर्ष:** राष्ट्रीय युवा नीति के तहत "युवा" की परिभाषा।
- **10-19 वर्ष:** विशेष रूप से किशोरों के लिए कार्यक्रम।

युवाओं की भागीदारी:
- युवाओं को "सक्रिय विकास चालक" बनाना, न कि सिर्फ "निष्क्रिय प्राप्तकर्ता"।
- युवाओं के नेतृत्व में विकास पर सरकार का ध्यान केंद्रित करना।

MY भारत पोर्टल:
- **फिजिटल प्लेटफॉर्म:**
    - **Physical + Digital** गतिविधियों का संयोजन।
    - आधुनिक और गतिशील मंच का प्रतीक।
- **पंजीकरण:**
    - **वेबसाइट:** MY Bharat Portal
    - **सुविधाएँ:**
        - युवा देशभर से पंजीकरण कर विभिन्न अवसरों और आयोजनों में भाग ले सकते हैं।
        - पुलिस, शहरी स्थानीय निकाय (ULBs) और विभिन्न मंत्रालयों के साथ स्वयंसेवी गतिविधियों में सहभागिता।

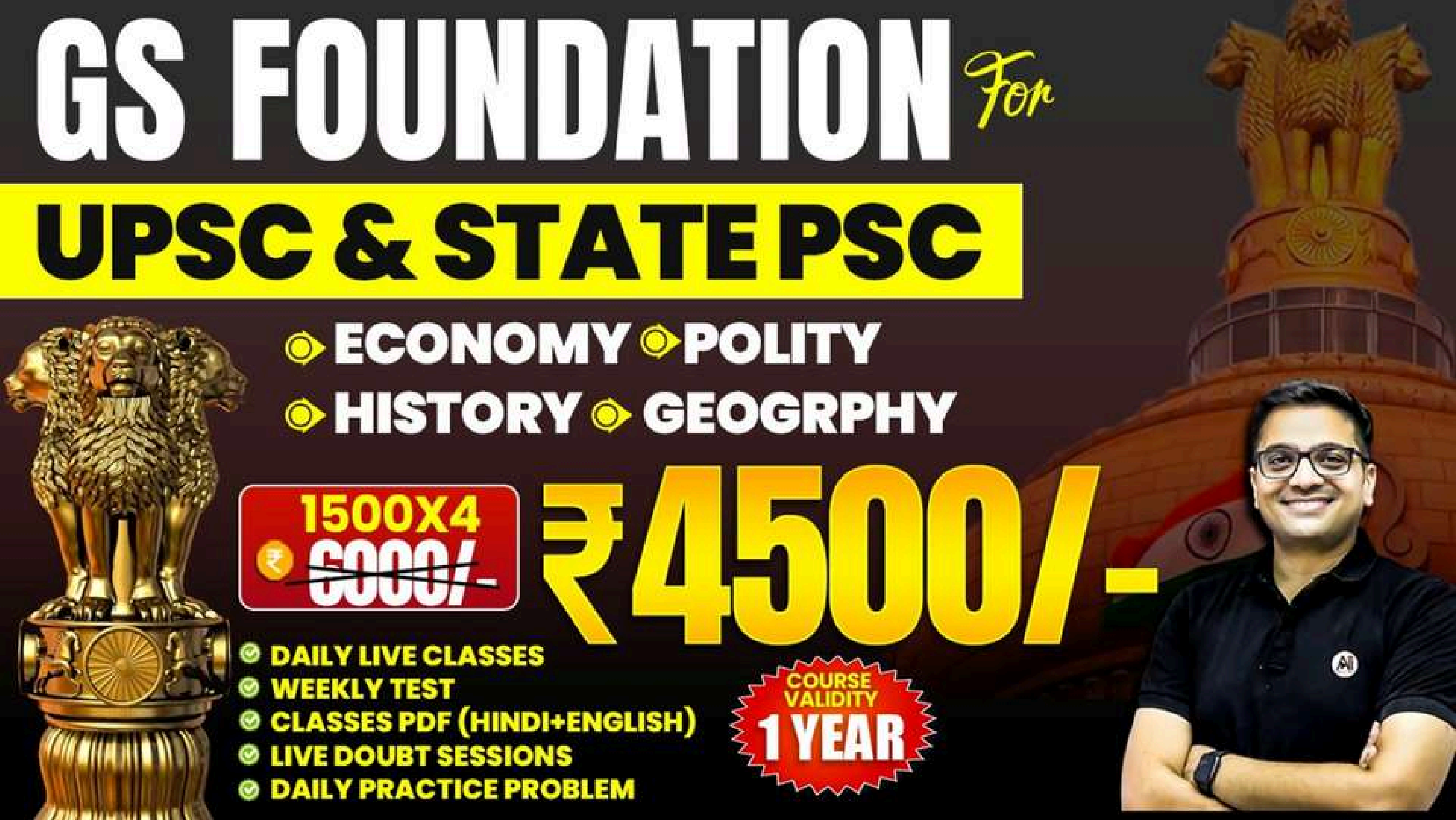
GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
ECONOMY
POLITY
HISTORY
GEOGRPHY
1500X4
₹ 6000/-
₹4500/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

GS FOUNDATION For

UPSC & STATE PSC

IF ANYONE INTRESTED IN ONLY

HISTORY

FEE ₹ ~~2000/-~~

₹1499/-

- DAILY LIVE CLASSES
- WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE VALIDITY 1 YEAR

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
ECONOMY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

जानिए
भारतीय संविधान
CONSTITUTION
OF
INDIA
मात्र
1499/-Year
Enroll Now !
1 year validity

GS FOUNDATION
Hand Written Notes
Pathshala
भारतीय भूगोल
भौतिक तथा विश्व भूगोल
भारत तथा विश्व की अर्थव्यवस्था
भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था
आधुनिक भारत एवं विश्व का इतिहास
BEST OFFER
1999Rs
4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट
अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
Bilingual
By Ankit Avasthi Sir

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,

और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

MONTHLY MAGAZINE

FREE!

अधिक जानकारी के लिए दिए गए
नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

Billingual

ANKIT AVASTHI SIR

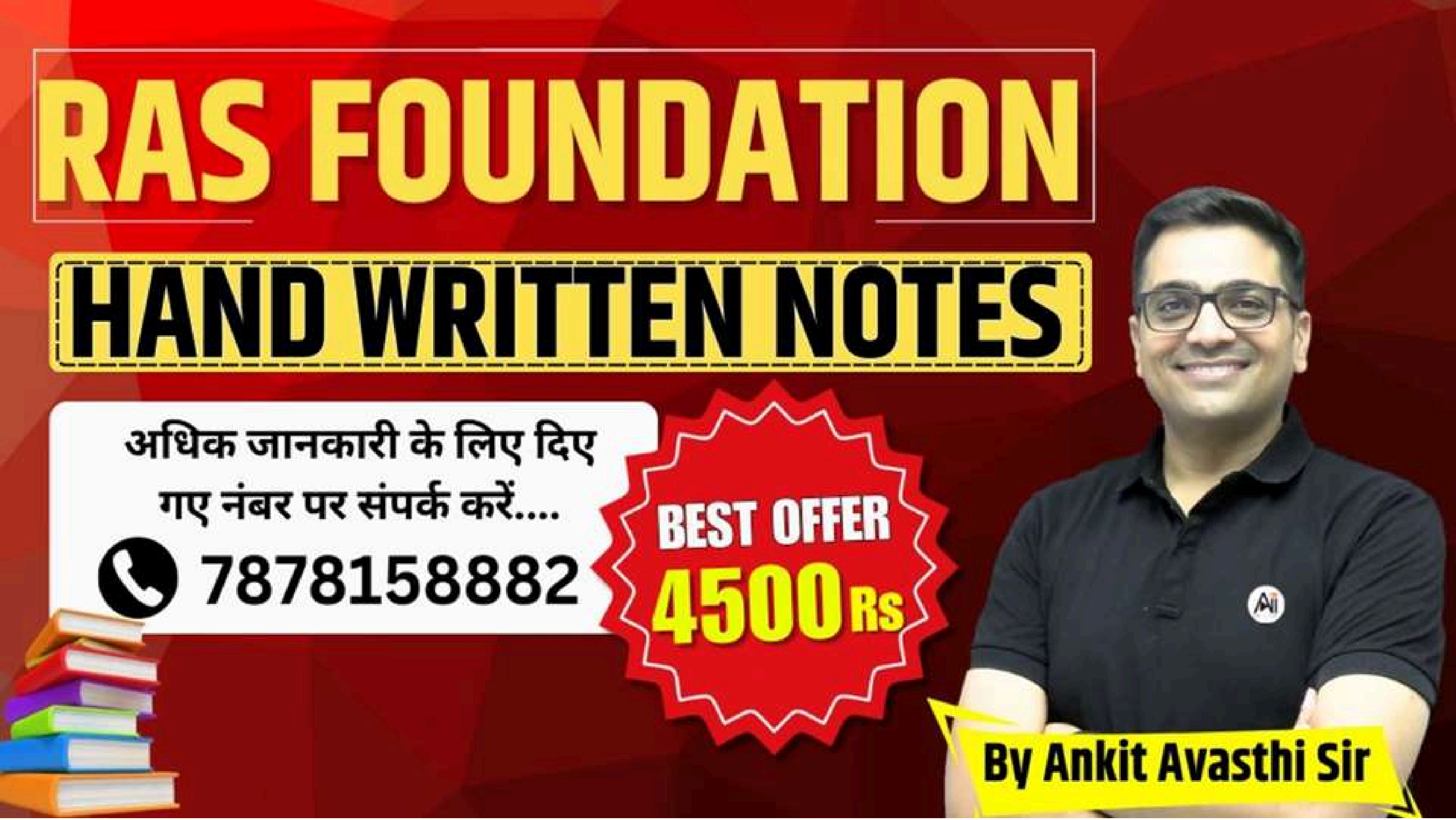
RAS FOUNDATION
HAND WRITTEN NOTES
अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
BEST OFFER
4500 Rs
By Ankit Avasthi Sir

RRB NTPC
TEST SERIES
100+ Mock Test
78 Sectional Test
40+ years PYPs
60+ Current affairs
TEST
Only
99
Per
Year
Buy Now

APNI PATHSHALA

UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

299/- YEAR

RO/ARO
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

BPSC
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299 YEAR

SSC (TEST SERIES)
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

RPF (TEST SERIES)
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

CALL CENTRE

HOW MAY I HELP YOU

7878158882

AnkitInspiresIndia

Download "Apni Pathshsla" app now!

Follow us: